



दोस्त की रिश्तेदार लड़की मुझसे चुदी

“न्यू चूत सेक्सी कहानी में मैंने अपने दोस्त के घर में उसकी रिश्तेदार टीनएज लड़की को चोदा उसकी की पहल पर! हम पास पास लेटे थे कि उसके मेरे बदन पर हाथ रख दिया. ...”

Story By: सिद्धांत कुमार (siddhant)

Posted: Wednesday, April 24th, 2024

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [दोस्त की रिश्तेदार लड़की मुझसे चुदी](#)

दोस्त की रिश्तेदार लड़की मुझसे चुदी

न्यू चूत सेक्सी कहानी में मैंने अपने दोस्त के घर में उसकी रिश्तेदार टीनएज लड़की को चोदा उसकी की पहल पर! हम पास पास लेटे थे कि उसके मेरे बदन पर हाथ रख दिया.

दोस्तो! मेरा नाम आरव है।

मैं एक बार अपने एक दोस्त अरमान के घर गया हुआ था.

वहां उसकी कोई दूर के रिश्ते में दो लड़कियां आई हुई थीं।

वहां एक मेला लगता था तो मैं और मेरा दोस्त मेला देखने गए।

हमारे साथ उसकी वह दोनों रिश्तेदार लड़कियां भी थीं।

वे दोनों आपस में बहनें थीं।

उनमें से एक का नाम पलक था जो उस वक्त करीब उन्नीस साल की होगी।

यह न्यू चूत सेक्सी कहानी इसी पलक की है.

हम लोगों ने वहां पर बहुत मस्ती की।

इस दौरान मैंने महसूस किया कि इस पलक का ध्यान मेरी तरफ ही रहा और वह बार-बार मेरी तरफ देखकर अजीब से अंदाज में मुस्कुरा रही थी।

बहरहाल रात करीब साढ़े बारह बजे हम लोग घर वापस आए तो इतना थक गए थे कि एक बजे तक हम सोने के लिए लेट चुके थे।

मैं काफी दिन बाद यहां आया था तो हम सब सोने के लिए एक ही कमरे में लेट गए कि

कुछ बातें और कर लेंगे।

अब स्थिति यह थी कि एक तरफ अरमान की चारपाई थी, उसके बाद मेरी और मेरे साथ वाली चारपाई पर पलक और महक की चारपाई थी।

हम लोग कुछ देर बातें करते रहे.

और इसी दौरान मैंने देखा कि पलक और महक सो गई हैं और अरमान भी ऊंघने लगा था.

तो मैंने कहा- अरमान यार, बाकी बातें सुबह करेंगे. अभी तो मुझे भी नींद आ रही है।
अरमान ने कहा- हां यार, मुझे भी नींद महसूस हो रही है। ठीक है सुबह बात करेंगे।
और वह दूसरी तरफ मुंह करके लेट गया।

अभी पांच मिनट ही हुए होंगे कि मुझे ऐसे लगा जैसे पलक की चारपाई हिली है।

मैंने आंखें खोलकर देखा तो पलक उठकर लाईट बंद करने जा रही थी।

लाईट बंद करके जब वह अंधेरे में वापस अपनी चारपाई पर आई तो मैंने पूछा- पलक,
लाईट क्यों बंद करदी ?

उसने कहा- मुझे रोशनी में नींद नहीं आती।

मैंने कहा 'चलो ठीक है' और मैं भी आंखें बंद करके सोने की कोशिश करने लगा।

अभी कुछ देर ही हुई थी कि मुझे अपने जिस्म पर किसी का हाथ महसूस हुआ जोकि धीरे-
धीरे मेरी पिंडली पर से फिसलता हुआ मेरी जांघों की तरफ जा रहा था।

मैंने अंधेरे में उस हाथ पर हाथ रखा तो पता चला कि वह पलक का हाथ है।

उसने मेरा हाथ दबाकर मुझे खामोश रहने का इशारा किया।

मैं हैरान था कि ये लड़की क्या कर रही है ?

पलक का हाथ फिसलता हुआ मेरे लंड तक पहुंच गया ।

उसने बहुत प्यार से मेरे अकड़ते हुए लंड को अपने हाथ में लिया और उसके सुपारे को सहलाने लगी ।

करीब पंद्रह मिनट तक वह मेरे लंड से खेलती रही जिसकी वजह से मेरा लंड पूरा तनकर खड़ा हो गया ।

इसी दौरान मैंने भी अपना एक हाथ आगे बढ़ाया और पहले धीरे-धीरे पलक के पेट पर फेरा और फिर उसके बाद उसकी छाती तक पहुंच गया ।

पलक ने अपनी बत्तीस साइज की चूचियों पर फोम वाली ब्रा पहनी हुई थी ।

मैंने भी ब्रा के ऊपर से ही पलक की नर्म और गर्म चूचियों को दबाना शुरू कर दिया ।

उसे लंड से खेलते और मुझे चूचियों को सहलाते हुए करीब आधा घंटा गुजर चुका था ।

अचानक ही पलक अपनी चारपाई से उठी और धीरे से मेरे बराबर में आकर लेट गई ।

आते ही उसने मेरे चेहरे पर अपने होंठों से चुम्बियों की बौछार कर दी ।

एक तो उसका नर्म और गर्म जवानी से भरपूर जिस्म मेरे जिस्म के साथ लिपटा हुआ था जो मेरे अंदर आग लगा रहा था और दूसरी तरफ उसके रसीले और गुदाज होंठ मेरे गालों और होंठों को चूम रहे थे ।

मैंने पलक के कान के बिल्कुल करीब जाकर कहा- पलक, कहीं अरमान और महक जाग ना रहे हों !

इस पर उसने भी इसी तरह धीरे से मेरे कान में जवाब दिया- नहीं कोई बात नहीं ; अरमान

तो काफी गहरी नींद सोता है, इसको तो अब तक होश भी नहीं होगा. तुम बेफिक्र हो जाओ।

मैंने कहा- पलक, क्या ये सब ठीक रहेगा जो हम कर रहे हैं?

तो वह बोली- मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ। तुम मुझे बहुत अच्छे लगते हो और मैं कब से तुम्हें इस तरह प्यार करने और तुमसे प्यार करवाने के लिए बेताब थी। आज सब कुछ भूल जाओ और बस ऐसे मुझसे प्यार करो जैसे कोई अपनी बीवी से करता है।

पलक ने यह बात कह तो दी मगर मुझे डर लग रहा था कि अगर अरमान जाग गया और उसको ये सब पता चल गया तो क्या होगा.

जब मैंने पलक से ये सब कहा तो वह बोली- चलो फिर चुपके से छत पर चलते हैं. और इस बात से तो बेफिक्र हो जाओ कि घर में से कोई उठ जाएगा और हम पकड़े जाएंगे। यह कहकर पलक मेरे पास से उठी और अंधेरे में गायब हो गई।

थोड़ी देर बाद मैंने महसूस किया कि कमरे का दरवाजा खुला और पलक मुझे पीछे-पीछे आने का इशारा करके दरवाजे से हट गई।

मैं समझ गया कि वह छत पर गई है तो मैं भी हिम्मत सी करके उठा और उसके पीछे-पीछे छत पर चला गया।

छत पर एक स्टोररूम बना हुआ था।

चांद की हल्की-हल्की रोशनी में मैंने देखा कि पलक स्टोररूम के दरवाजे पर खड़ी थी और उसने अपनी कमीज उतार दी थी।

अब वह सिर्फ सलवार और ब्रा पहने हुए थी।

चांद की रूमानी रोशनी में पलक का रूप बहुत भला लग रहा था।

चन्द्रमा की हल्की-हल्की चांदनी में उसका गोरा जिस्म मेरे अंदर आग सी लगा रहा था।

जैसे ही मैं पलक के करीब पहुंचा, उसने मुझे जोर से अपनी तरफ खींचा और मुझे बांहों में लेकर अपने होंठों से मेरे होंठों को कस लिया।

पलक बहुत ज्यादा गर्म हो रही थी और खड़े-खड़े ही अपने जिस्म को इस तरह हरकत दे रही थी कि मेरा खड़ा हुआ लंड बार-बार उसकी चूत के साथ रगड़ खा रहा था।

मैंने एक हाथ में उसकी गर्म गुदाज चूची पकड़ी हुई थी जिसको मैं धीरे-धीरे दबा और मसल रहा था और दूसरे हाथ से उसकी गोल और नर्म गांड से खेल रहा था।

उसने दोनों हाथों से मेरा चेहरा थामा हुआ था और हम दोनों एक-दूसरे के होंठ और जीभ चूस रहे थे।

तभी मैंने पलक की चूचियों पर से अपना हाथ हटाया और धीरे-धीरे उसकी सलवार में डाल दिया।

जहां मेरा स्वागत चूत पर आए हुए बालों के गुच्छे ने किया।

तो मैंने पलक से पूछा- यार, तुम चूत के बाल साफ नहीं करती हो क्या ?

तो पलक ने कहा- मेरी जान, अगर मुझे पता होता कि ये सब होने वाला है तो मैं अपनी चूत को मक्खन की तरह मुलायम कर लेती। मगर ये सब हुआ ही अचानक है।

बालों के ऊपर से गुजर कर जब मेरी उंगलियां उसकी चूत के दाने तक पहुंचीं तो मैंने महसूस किया कि उसकी चूत बहुत गीली हो चुकी थी।

जब मैंने उसकी चूत के दाने को छुआ तो पलक का जिस्म एकदम से कांप सा गया और वह नशीली सी आवाज में सिसकारी भरकर बोली- जान, तुम्हारी उंगलियों में जादू है। मेरी चूत

जलने लगी है। प्लीज कुछ करो ... मुझे और मत तड़पाओ।

अब हम स्टोर रूम के दरवाजे से हटकर अंदर आ गए।

वहां पर एक पुराना सोफा पड़ा हुआ था।

पलक सोफे के पास जाकर खड़ी हो गई और मुझे दरवाजा बंद करने का इशारा किया।

मैंने दरवाजा बंद करके उस के आगे एक कुर्सी रख दी क्योंकि दरवाजे को अंदर से बंद करने के लिए कोई कुंडी या चिटकनी नहीं थी।

अंदर एक बल्ब जल रहा था जिसकी वजह से स्टोर में अच्छी खासी रोशनी हो रही थी।

पलक ने अपनी सलवार भी उतारकर सोफे पर रख दी और अपनी टांगें खोलकर सोफे पर इस तरह बैठ गई कि उसकी चूत पूरी तरह खुलकर मेरे सामने आ गई।

मैं भी नजदीक आकर उसकी चूत के सामने पैरों के बल बैठ गया।

पलक की चूत बाहर से गोरी थी और उसकी चूत का रंग गुलाबी था।

मैंने पहले धीरे-धीरे उसकी चूत को हाथ से सहलाया और इसके बाद दो उंगलियों से उसकी चूत को खोलकर अंदर के गुलाबी हिस्से पर जीभ से मसलना शुरू कर दिया और कहा-

पलक तुम्हारी चूत की खुशबू बहुत अच्छी है और ये कुछ ज्यादा ही गर्म हो रही है।

इस पर पलक ने हंसते हुए कहा- इसकी सारी खुबसूरती सिर्फ तुम्हारे लिए है मेरी जान!

खा जाओ मेरी चूत को ... ये इसलिए गर्म हो रही है ताकि इसकी गर्मी से तुम भी गर्म हो जाओ और मेरी चूत को खा जाओ।

पलक के मुंह से इस तरह के गंदे-गंदे लफ्ज सुनकर आज मुझे पता नहीं क्यों लेकिन बहुत मजा आ रहा था।

मैं दीवानों की तरह पलक की कुंवारी चूत को चाटता रहा ।
दो बार पलक की चूत ने चिकना-चिकना सा पानी छोड़ा जो सब का सब मैंने चाट लिया ।

अब पलक ने अपनी ब्रा भी उतारकर फैक दी और वह सिसकारियां भरते हुए अपनी चूचियों को दबा और सहलाने लगी ।

इधर मैं दीवानों की तरह उसकी चूत की भूल-भुलैया में घूम रहा था ।

थोड़ी देर बाद पलक ने कहा- चलो कुछ और ट्राई करते हैं ।
तो मैं बोला- ठीक है, मैं बताता हूं कि अब हमें क्या करना है ।

मैंने उसे सोफे पर लेटने को कहा और जल्दी-जल्दी अपने सारे कपड़े उतार कर खुद उसके ऊपर 69 की पोजीशन में लेट गया ।

अब मेरा लंड बिल्कुल पलक के होंठों के करीब था और उसकी चूत मेरे मुंह के पास !
बस फिर क्या था ?

मैं फिर से भूखों की तरह उसकी चूत के साथ चिपक गया और उसकी चूत के अंदर जीभ डालकर जीभ से चोदने लगा ।

पलक ने मेरा लंड देखा तो कहने लगी- जान, ये तो बहुत मोटा है ।
उसकी गर्म-गर्म सांसों मुझे अपने लंड पर महसूस हो रही थीं ।

उसने पहले मेरे लंड के सुपारे को हल्का सा चूमा और फिर एक हाथ से लंड और एक हाथ से मेरे टट्टे पकड़कर धीरे से लंड को पूरा मुंह में ले लिया और जीभ से लंड की मालिश सी शुरू कर दी ।

शायद पलक को बहुत मजा आ रहा था क्योंकि वह लंड चूसने के साथ-साथ अपनी चूत

को मेरे होंठों पर धीरे-धीरे हिला भी रही थी।

लगभग 10 मिनट तक मैं उसकी चूत चाटता रहा और वह मेरा लंड चूसती रही। उसकी चूत से बार-बार चिकना-चिकना पानी निकल रहा था जिसे चाटना मुझे बहुत अच्छा लग रहा था।

लगभग 10 मिनट बाद हम उठ गए और मैंने पलक को इस तरह लिटा लिया कि मैं उसकी चूत में लंड डाल सकूँ।

पलक ने पूछा- जान क्या अब तुम मुझे चोदोगे ?

तो मैंने कहा- हां पलक, अब मैं खुद को तुम्हें चोदने से नहीं रोक सकता।

पलक ने कहा- हां मेरी जान, मैं तो खुद चाहती हूँ कि तुम अपने इस तने हुए लंड से मेरी चूत मारो।

अब मैंने लंड के सुपारे को पलक की चूत पर रगड़कर थोड़ा सा चिकना किया और उसे चूत के मुँह पर रखा.

तो पलक ने मस्ती में आकर आंखें बंद कर लीं और दोनों हाथों से अपनी छोटी-छोटी कड़क चूचियों को दबाते हुए मस्ती भरी आवाज में सिसकारी भरती हुई बोली- जान, अपना लंड मेरी चूत में डालो ना ! क्यों तरसा रहे हो मेरी इस मासूम चूत को ?

उसकी बात सुनकर मैंने पलक के ऊपर लेटकर उसके होंठों से अपने होंठ मिला दिए और धीरे-धीरे लंड को उसकी सेक्सी चूत के अंदर धकेलना शुरू कर दिया।

पलक की चूत बहुत टाइट और गर्म थी।

उसकी नर्म नर्म और टाइट चूत में मेरा लंड धीरे-धीरे घुस रहा था और तकलीफ की वजह से उसने अपनी आंखें कसके बंद की हुई थीं।

पलक की न्यू चूत के अंदर आधा लंड घुस गया तो उसने मुझे रुकने को कहा ।
मैंने लंड को वहीं रोक लिया और उसकी 32 साइज की चूचियों पर अपने होंठ रख दिए ।

उसके छोटे-छोटे निप्पल चुदाई की आग में जलकर काफी कड़े हो गए थे ।

मैं थोड़ी देर तक उसकी दोनों चूचियों को बारी-बारी चूमता और चूसता रहा तो थोड़ी देर बाद पलक ने नीचे से अपनी चूत को हरकत देना शुरू कर दी ।

मैंने भी लंड को धीरे-धीरे और अंदर करना शुरू कर दिया था ।

इस बार शायद उसे दर्द कम हो रहा था क्योंकि जैसे-जैसे लंड चूत में घुसता जा रहा था वह अपनी टांगों को और ज्यादा खोलती जा रही थी ।

जब लंड पूरा अंदर चला गया तो पलक के मुंह से दर्द भरी सिसकारी निकल गई ।

मैं फिर से रुक गया और उसकी जबरदस्त चूचियों से खेलना शुरू कर दिया ।

थोड़ी देर बाद फिर से पलक की सेक्सी चूत ने नीचे से हरकत शुरू कर दी तो मैंने भी लंड को धीरे-धीरे बाहर खींचा और पूरा लंड बाहर आने से पहले ही दोबारा उसकी चूत में धकेल दिया ।

पलक के मुंह से हल्की सी चीख निकल गई 'हाय मेरी चूत !'

मेरा लंड एक ही झटके में पूरे का पूरा उसकी न्यू चूत में स्थापित हो गया ।

पलक ने कहा- जान, तुम्हारा लंड बहुत जालिम है । इससे तो मेरी चूत फटती हुई सी महसूस हो रही है ।

मैंने कहा- मेरी जान, मेरा लंड मोटा नहीं है बल्कि तुम्हारी चूत ही बहुत टाइट है ।

अब मैंने धीरे-धीरे पलक की चूत में धक्के लगाने शुरू कर दिए।

मैं धीरे-धीरे धक्के लगा रहा था और पलक चुदाई के मजे में सिसकारियां भर रही थी- आह आह आह ... हाय मेरी चूत ... धीरे-धीरे चोदो ... आह आह ... मेरी चूत फट रही है। आह प्लीज जान धीरे चोदो ... मेरी चूत फट जाएगी।

उसके मुंह से ऐसी सेक्सी सिसकारियां सुनकर मेरे अंदर और भी आग धधकने लगी तो मैंने धक्कों की स्पीड बढ़ा दी और जोर-जोर से चूत में धक्के मारने लगा।

दस मिनट की इस चुदाई ने हम दोनों को पसीने में सराबोर कर दिया क्योंकि स्टोर में कोई पंखा नहीं था।

मेरा लंड कस-कस के पलक को चोद रहा था।

मैं अपने लंड को उसकी चूत से निकालता और फिर से एकदम उसको चूत में धकेल देता जिसकी वजह से पलक की चूत दो बार पानी छोड़ चुकी थी।

उसकी चूत से पचक-पचक की आवाजें आ रही थीं।

पलक की चूत इतनी टाइट और जिस्म इतना सेक्सी था कि कुछ ही देर में मुझे लगा कि मैं छूटने वाला हूं।

अब मैंने लंड उसकी चूत से बाहर निकाला और उसे घोड़ी बनने को कहा तो वह उठी और सोफे पर इस तरह घोड़ी बन गई कि मैं जमीन पर खड़ा होकर उसको चोद सकता था।

मैंने पहले डोगी स्टाइल में ही उसकी चूत को चाटना शुरू कर दिया जो कि मेरे लंड और उसकी चूत के पानी से चिकनी हो रही थी।

तब मैंने उसकी चूत को चाटकर खूब साफ किया और फिर उसकी गोल-मटोल छोटी सी गांड को अपने दोनों हाथों से पकड़कर लंड को उसकी चूत के मुंह पर रखा ही था कि पलक

ने पीछे को एक धक्का मारा.

जिसकी वजह से मेरा पूरे का पूरा लंड पलक की चूत में घुस गया और उसके मुंह से चीख निकल गई- हाय मैं मर गई ... आह ... मेरी चूत फट गई ... आह आह !

और फिर कुछ देर रुके रहने के बाद उसने खुद ही धीरे-धीरे से धक्के लगाने शुरू कर दिए।

जब उसके धक्कों की स्पीड कुछ कम हुई तो मैंने उसकी गांड पर हाथ फेरते हुए उसकी चूत में लंड अंदर-बाहर करना शुरू कर दिया।

घोड़ी बनने की वजह से उसकी चूत और भी टाइट महसूस हो रही थी।

अभी इस तरह चुदाई करते हुए कुछ पांच मिनट ही हुए होंगे कि मुझे लगा कि किसी भी लम्हे मेरा लंड उसकी चूत में अपना लावा उगल देगा.

तो मैंने पलक को कहा- जान, मेरा लंड पानी छोड़ने वाला है।

उसने कहा- मेरी चूत में मत झड़ना प्लीज !

लेकिन मुझ पर तो जैसे जुनून सवार था ; मैं जोर-जोर से धक्के मार रहा था और कब मेरे लंड ने पलक की चूत में गर्म-गर्म पानी छोड़ दिया मुझे पता भी नहीं चला।

मैं लंड को उसकी चूत में ही रखकर उसके ऊपर पसर गया.

और जब हमारी हालत कुछ संभली तो मैंने अपने लंड को पलक की चूत से बाहर निकाला और अपनी बनियान से अपने लंड और पलक की चूत को साफ किया.

तब पलक को अपने सामने खड़ा करके मैं उसको अपने सीने से लगाकर उसके होंठों पर किस करने लगा।

कुछ देर बाद हमने कपड़े पहने और फिर से कमरे में आकर लेट गए।

जब मैं बिस्तर पर लेट गया तो पलक ने लाईट जलाई और महक और अरमान को चैक किया तो वे दोनों बेखबर सो रहे थे।

पलक मेरे साथ ही मेरे बिस्तर पर लेट गई और थोड़ी देर हम एक-दूसरे को चूमते रहे और फिर मैंने उसको अपने बिस्तर पर जाने को कहा।

वह उठी और अपने बिस्तर पर जाकर महक के साथ लेट गई.

और मैं पलक के सेक्सी जिस्म और अपनी इस चुदाई के बारे में सोचता हुआ जाने कब सो गया पता ही नहीं चला।

आपको यह न्यू चूत सेक्सी कहानी कैसी लगी ?

मुझे जरूर बतायें !

मेरी मेल आई-डी है- kumarsiddhant268@gmail.com

धन्यवाद सहित

आपका सिद्धांत

लेखक की पिछली कहानी थी : [पर्दानशीं भाभी की ट्रेन में चुदाई](#)

Other stories you may be interested in

सहेली के बॉयफ्रेंड से मेरी हवस भरी चुदाई

फ्रेंड चीट सेक्स कहानी में मेरा ब्रेकअप हो चुका था और मेरी एक सहेली अपनी बॉयफ्रेंड से चुद रही थी. उसका बॉयफ्रेंड मुझे पसंद आ गया तो मैंने उसे अपनी चूत की चुदाई के लिए सेट किया. यह कहानी सुनें.

[...]

[Full Story >>>>](#)

ट्रेन में मिली दो बच्चों की मां को चोदा

मनी सेक्स कहानी में मुझे ट्रेन में एक महिला मिली. मुझे वह सेक्सी लगी तो मैंने उसे पटाना शुरू किया. वह जल्दी ही चुदाई के लिए मान गयी पर पैसों के बदले! दोस्तो, मेरा नाम शिवम मिश्रा है और मैं [...]

[Full Story >>>>](#)

किरायेदार की कुंवारी बेटी को चोदा

डेल्टी गर्ल सेक्स कहानी में दिल्ली का एक परिवार हमारे यहाँ किराये पर आया. उनमें एक टीनएज लड़की थी. थोड़े दिन बाद मेरी नजर उस लड़की के कामुक बदन पर पड़ी. नमस्कार दोस्तो, मैं आप सब लोगों का दोस्त विवेक [...]

[Full Story >>>>](#)

लॉकडाउन में सरदार के ट्रक में गुजारी रात- 2

बाईसेक्सुअल लड़का गांड चुदाई कहानी में एक चिकने लड़के ने एक ट्रक ड्राईवर सरदार से गांड मरवाई. सरदार के बड़े लंड से लड़के को दर्द के साथ मजा भी आया. कहानी के पहले भाग लिफ्ट के बदले गांड मरवाने का [...]

[Full Story >>>>](#)

सीधी सादी लड़की ने भरे जिन्दगी में नए रंग- 4

हॉट सेक्स मैरिज कहानी में घरेलू मेड के साथ सेक्स करने के बाद मालिक को लड़की से और प्यार हो गया. वह उससे शादी करके उसे अपनी बनाना चाहता था. कहानी के तीसरे भाग सीधी सादी लड़की की कुंवारी चूत [...]

[Full Story >>>>](#)

